

DPN 5411

THIRA VAKYA (STHIRA HALE VAKYA)

Title: थिर)वाक्ये (स्थिर)हाले वाक्य)

Run. No. 6102

Cat. No.

Micro. No.

Subject

~~Hyman~~ ^{स्थिर)हाले वाक्ये} Consecration
recitation ~~text~~

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 24.1 x 8

Folios 3

Lines (in a page) 7

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material: palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

Beginning:

ॐ जावत् नैपाल स्वष्टे वसति, पसुपते, वासुकि वागमतिस्त्री, प्रमद क्षेत्र
प्रयोगं, संगतिल विद्यया, जावश मन्त्रासाक्षा

Colophon:-

... गंगा स्वतावतत्वञ्चैर्धिराभिव ॥ इति शिवके समाप्तं ॥ सुप्रसस्तु
सर्वदा ॥ ॥

10

5

0

CM

5

10

20

25

30



इना सय सागना व क्रावतु क्का का स गंगा ५५ नाव नव के धि
वास्तव वा ०० दि धिवा के समार्थ वा सूर्य सुमर्त्य वा ५५ ५५



15

10

5

0

CM

5

10

20

25

30

35

